

भगवान महावीर स्मृति ग्रन्थ (फोल्डर नं. ०२०५७)
सम्पादक - डॉ. ज्योति प्रसाद जैन

मुख्य टाइटल

प्रकाशकीय वक्तव्य

संपादकीय

विषय क्रम

खण्ड-१ – महावीर वचनामृत -----	१-२०
खण्ड-२ – महावीर स्तवन -----	१-४८
प्राकृत पाठ-----	१-६
अपभ्रंश पाठ -----	६-८
संस्कृत पाठ -----	८-२०
भाषा स्तुतियाँ -----	२१-४८
खण्ड-३ – महावीर-युग, जीवन और देन -----	१-६४
तीर्थंकर महावीर – उपाध्याय मुनि विद्यानन्द -----	१
महावीर की विशेषता – सन्त विनोबा भावे -----	२
महावीर युग में समाज और धर्म की स्थिति – डॉ. ज्योति प्रसाद जैन -----	३
भगवान महावीर – डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल -----	८
मानव उत्कर्ष की ऊर्जा के संवाहक महावीर – श्री लक्ष्मी चन्द्र जैन -----	९
भव-भव की साधना – डॉ. कामता प्रसाद जैन -----	१३
यदि महावीर तीर्थंकर नहीं होते – आचार्य तुलसी -----	१४
चिन्तन के झरोखे से – उपाध्याय अमर मुनि -----	१५
महावीर कितने ज्ञात, कितने अज्ञात – श्री जमनालाल जैन -----	१७
अहिंसा के मूर्त स्वरूप – श्री राम नारायण उपाध्याय -----	१९
महापुरुष महावीर – डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन -----	२०
महावीर की निष्पक्षता का एक प्रसंग – श्री अगरचन्द्र नाहटा -----	२१
ज्ञातपुत्र की अज्ञात साधना – श्री धनराज शामसुखा -----	२३
महावीर और मूक जगत – आचार्य रजनीश -----	२५
भगवान महावीर-जीवन और दर्शन – मुनि श्री राकेश कुमार-----	२६
भगवान महावीर का दुःख बोध – डॉ. हरेन्द्र प्रसाद वर्मा -----	२७
श्रमण भगवान महावीर – पं. बेचरदास दोशी -----	२९
समता धर्म के प्ररूपक – महावीर – प्रो. दलसुख मालवणिया -----	३२
समत्वस्रष्टा भगवान महावीर – साध्वी अणिमा श्री -----	३३
महावीर जीवन दर्शन – एक मूल्यांकन डॉ. धर्म चन्द्र -----	३४
समग्र क्रान्ति के दृष्टा – श्री शरद कुमार -----	३५

महावीर के जीवन दर्शन का आधार बिन्दु - डॉ. प्रद्युम्न कुमार जैन -----	३७
दुःख और सुख के कारण -----	३८
भगवान महावीर के जीवन पर एक दृष्टि - पं. हालाल सिद्धान्ताचार्य व्यावर -----	३९
महावीर की भाषा क्रान्ति - डॉ. नेमिचन्द्र जैन -----	४०
महावीर निर्वाण काल - डॉ. ज्योति प्रसाद जैन -----	४१
महावीर ने कहा - मुनि महेन्द्र कुमार प्रथम -----	६१
खण्ड-४ - जैन धर्म, दर्शन और संस्कृति -----	१-६८
भगवान महावीर का दर्शन और धर्म - सिद्धान्ताचार्य पं. कैलाश चन्द्र शास्त्री -----	१
जैन न्याय - संक्षिप्त विवेचन - डॉ. दरबारीलाल कोठिया न्यायाचार्य -----	११
गृहस्थ जीवन का जैन आदर्श - डॉ. ज्योति प्रसाद जैन -----	१७
श्रावक के इक्कीस गुण - कविवर पं. बनारसीदास -----	२४
भगवान महावीर की मांगलिक विरासत - पं. सुखलालजी -----	२५
असाम्प्रदायिकता का मूलमंत्र अनेकान्त - मुनि नथमल -----	२८
महीर और अहिंसा-आज के परिप्रेक्ष्य में - डॉ. दौलतसिंह कोठारी -----	३०
वर्तमान युग में महावीर के उपदेशों की सार्थकता - डॉ. प्रभाकर माचवे -----	३४
राष्ट्रीय एकता के विकास में जैनधर्म का योग - डॉ. कुसुमलता जैन -----	३५
महावीर का धर्म-जनधर्म - श्री रिषभदास रांका -----	३८
जैन दर्शन की व्यापकता - डॉ. गोकुलचन्द्र जैन -----	३९
अच्छा हिन्दू बनने के लिए अच्छा जैनी बनना आवश्यक है - श्री परिपूर्णानन्द वर्मा -----	४४
भगवान महावीर की अहिंसा - आर्यिकारत्न ज्ञानमती माताजी -----	४७
महावीर का नैतिकता बोध - डॉ. कमलचन्द्र सोगानी -----	४९
जैनधर्म, महावीर और नारी - सुश्री सुशीला कुमारी वैद -----	५१
सर्वोदयी जैनधर्म और जातिवाद - पं. परमेष्ठी दास जैन -----	५३
बदलते सामाजिक मूल्यों में महावीर की भूमिका - डॉ. उम्मेदमल मुनौत -----	५७
क्या महावीर का युग कभी लौटेगा - डॉ. देवेन्द्रकुमार शास्त्री -----	६३
भारतीय वास्तुकला के विकास में जैनधर्म का योगदान - प्रो. कृष्णदत्त बाजपेयी -----	६४
खण्ड-५ - शाकाहार -----	१-५२
शाकाहार बनाम मांसाहार - डॉ. ज्योति प्रसाद जैन -----	१
शाकाहार तन्त्र - डॉ. इन्दुभूषण जिंदल -----	५
प्राकृतिक भोजन-शाकाहार - श्री प्रताप चन्द्र जैन -----	१०
वास्तविक दया और अहिंसा ही शाकाहार का सही आधार - कविराज पं. शिव शर्मा -----	११
शाकाहारी सिद्धान्त के विभिन्न पक्ष - डॉ. जे. एम. जस्सावाला -----	१३
में शाकाहारी क्यों हुआ - महामहिम दलाई लामा -----	१५
मांसाहार-अनिवार्य जैसी कोई बात नहीं - श्री रामेश्वर दयाल दुबे -----	१८
वैज्ञानिक दृष्टि से हमारा आहार - श्री जवाहर लाल लोढा -----	२१

मांसाहार त्याग का सामाजिक मूल्य – मिस कैथरीन हिलमैन -----	२५
मांसाहार का दुष्परिणाम – डॉ. मोहन बोरा -----	२६
मछली व मांस में विष – डॉ. एलेग्डर हेंग -----	२८
मांस भक्षण से हड्डियाँ कमजोर होती हैं -----	२८
अण्डे कितने घातक, कितने भयानक -----	२८
मांसाहार निषेधक विश्व-मनीषा -----	३१
शाकाहारी सिद्धान्त का इतिहास – ज्योफ्री एल. रूड -----	३८
पश्चिमी देशों में शाकाहार प्रचार करने वाली प्रमुख संस्थाएँ -----	३९
संसार के विभिन्न देशों में शाकाहार प्रचार -----	४०
तालिकाएँ	
खण्ड-६ – उत्तर प्रदेश और जैनधर्म -----	१-१२८
उत्तर प्रदेश में जैनधर्म का दय और विकास – डॉ. ज्योति प्रसाद जैन-----	१
उत्तर प्रदेश के जैन तीर्थ एवं सांस्कृतिक केन्द्र – डॉ. ज्योति प्रसाद जैन -----	२९
उत्तर प्रदेश के जैन सन्त – डॉ. ज्योति प्रसाद जैन-----	६७
उत्तर प्रदेश के जैन साहित्यकार – डॉ. ज्योति प्रसाद जैन -----	७१
उत्तर प्रदेश के जैन पत्र और पत्रकार – डॉ. ज्योति प्रसाद जैन -----	८१
उत्तर प्रदेश के जैन स्वतन्त्रता सेनानी – डॉ. ज्योति प्रसाद जैन -----	८४
उत्तर प्रदेश की जैन संस्थाएँ – डॉ. ज्योति प्रसाद जैन -----	९७
उत्तर प्रदेश में जैनों की वर्तमान स्थिति – श्री रमाकान्त जैन -----	९९
उत्तर प्रदेश में तीर्थंकर महावीर – डॉ. शशिकान्त-----	१०५
उत्तर प्रदेश के उत्कीर्ण लेख और उनका महत्त्व – श्री शैलेन्द्र रस्तोगी -----	११२
राज्य संग्रहालय लखनऊ की महावीर प्रतिमें – डॉ. नीलकण्ठ पुरुषोत्तम जोशी -----	११७
नीलांजना नृत्य पट – श्री वी. एन. श्रीवास्तव -----	११८
मथुरा संग्रहालय की कुषाणकालीन जैन मूर्तियाँ – श्री रमेशचन्द्र शर्मा -----	११९
उत्तर भारत के तीन प्राचीन जैन तीर्थ – मुनि जयान्त विजय -----	१२६
स्वतन्त्रता संग्राम के उत्तर प्रदेश के जैनों का योगदान – बा. रतनलाल जैन वकील-----	१२७
खण्ड-७ – श्री महावीर निर्वाण समिति, उत्तर प्रदेश -----	१-३२